

# यूरोप का दूसरा बड़ा हथियार सप्लायर भारत

**बदलती तस्वीर :** छह साल पहले तक भारत था हथियारों का सबसे बड़ा खरीदार



वाली खरोद-बिक्री से जुड़ी जानकारी देने वाली आधिकारिक वेबसाइट ट्रेड डेटा मॉनिटर के मुताबिक, भारत ने बीते 4 साल में रक्षा निर्यात 1600 फीसदी बढ़ाया है, जिसमें यूरोप की अहम भागीदारी है। यही नहीं एक ओर बड़ा माइलस्टोन तब सामने आया, जब 22 अक्टूबर को ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ जयतीथ

### 3130 करोड़: फिलीपींस से ब्रह्मास के लिए डील

जोशी ने बताया कि फिलीपींस, इंडोनेशिया और वियतनाम से भी इस मिसाइल की मांग हो रही है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीसरिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, साल 2000 से 2023 के बीच म्यांमार भारत से सबसे ज्यादा हथियार खरीदने वाला देश है। भारत से सबसे ज्यादा 31% हथियार म्यांमार एक्सपोर्ट होते

हैं। भारत का रक्षा उद्योग यूरोप और यूक्रेन के सहयोगी देशों के साथ-साथ इजराइल को भी हथियारों की सप्लाई कर रहा है। मार्च 2026 तक के दो साल में भारत ने इजराइल को करीब 630 करोड़ रुपए के गोला-बारूद और विस्फोटक भेजे। इसमें तोप के गोले और मोर्टार के गोले शामिल हैं।

पटाखा फैक्टरी में  
धमाका, आठ की मौत

**मीवान.** दिवाली से पहले बिहार के सीवान से दुखद खबर आई है। यहां सीवान जिले के आलमपुर गांव में पटाखा बनाते समय एक फैक्टरी में भीषण धमाका हुआ, जिससे आठ की मौत हो गई. इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए. धमाका इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई. जानकारी के अनुसार, इस घटना में अभी तक आठ लोगों की मौत की सूचना है. हालांकि, प्रशासन ने मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. कई लोगों के घायल होने की भी आशंका जताई जा रही है. घटनास्थल के आसपास अभी भी विस्फोट हो रहे हैं. लगातार धमाकों के कारण बचाव दलों को अंदर जाने में मुश्किल हो रही है.



नई दिल्ली, 23 अक्टूबर. सीमा पर चीन की चालबाजी को लेकर शुक्रवार को दिए गए बयान के बाद सियासत गरमा गई है. एक ओर जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने इसे लेकर सरकार से जवाब मांगा है.

वहाँ विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर तब

► कई जगहों पर आमना-सामना हुआ-महानिदेशक

अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन को सीमा पर कई जगहों पर चीनी सैनिकों के साथ आमना-सामना चल रहा है। आईटीवीबी प्रमुख ने कहा कि हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में परी स्थिति नहीं है, जहाँ कई जगहों पर आमना-सामना हुआ, और इनमें से कुछ स्थितियाँ अभी भी जारी हैं। वहाँ तैनात हमारी 'शौर्य कमांडो' टीमें ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच स्थितिबंद में पहली बार कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई थी. सूत्रों के अनुसार, जिना इलाकों में हाल ही में नफ़र सुनने आये हैं, वहाँ चीनी सैनिकों के रवैये को लेकर भारतीय सेना ने बहुत सख्त रुख अपनाया है .

बिगड़ती है, जब चीनी सेनाएं गश्त के तय तरीकों से हटती हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देश सीमा से जुड़े लंबित मौजूद सुलझाने के लिए एकजुट और राजनयिक और सैन्य व्यवस्थाओं का लगातार इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका मकसद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी और गलत

आकलन से बचना है. मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार की सीमा और विदेश नीति पर तीखा हमला करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगा है. उन्होंने आरोप लगाया कि बीजिंग को पहले ही काँपी कलौट चिट दी जा चुकी थी और अब प्रधानमंत्री को भारत के सामने सच साफ-साफ रखना चाहिए.



## 3 घंटे लेफ्ट का प्रदर्शन 100 से ज्यादा गिरफ्तार

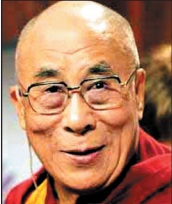
आई दिल्ली, 23 अक्टूबर  
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में  
शुक्रवार को लेफ्ट पार्टियों व  
ग्राम संघों ने एसआईआर के  
हिलालाफ विरोध प्रदर्शन किया  
प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव  
आयुक्त जगन मोहन का इस्तीफा  
मांगे की। इस दौरान उन्होंने  
‘ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़’ और  
‘एसआईआर बंद कराओ’ जैसे  
नारे लगाए, लेफ्ट का प्रदर्शन  
करती तीन घंटे लम्बा। मार्च को  
पीपुल एग्रेसिव एसोसिएशन और  
एआईएसए ने बुलाया था।  
मार्च बंगाला साहिब से चुनाव  
आयोग ऑफिस तक निकलना था।  
लेकिन दिल्ली पुलिस ने  
प्रदर्शनकारियों को रास्ते से हटाने  
हिरासत में ले लिया। लगभग 100 से  
ज्यादा प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने  
हिरासत में लिया, इन्में महिला  
प्रदर्शनकारी भी शामिल थीं। प्रदर्शन  
के दौरान सीपीआई नेता एनी राजन

कहा कि हम लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए केंद्र के धोखाधड़ी भरोसे तुरीकों से देश को रक्षा करने एसआईआर के विरोध को एकजुट करने के लिए पिछले हफ्ते पीपुल्स ऑगेंस्ट एसआईआर का गठन किया गया. इस संगठन में किसान मजदूर, महिला व युवा संगठन शामिल हैं. इस संगठन का आरोप है कि सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से 13.41 करोड़ नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं. संगठन ने दावा किया गया है कि ज्ञानेश कुमार ने संसद की मंजूरी के बिना फॉर्म-6 जैसे सार्विधाधिकन नियमों में बदलाव किए, जिसके चलते असली वोटर्स के नाम काटे गए बता दें कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की मांग को लेकर वीते 22 दिनों में 10 से ज्यादा राजनीतिक दल सड़क पर उतरकर विरोध कर चुके हैं.

## ▶ सीजेपी को झटका, अन्नामलाई ने वापस लिया समर्थन

**नई दिल्ली.** जून 2026 में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे चुके पूर्व आंध्रप्रदेश अधिकारी और तमिलनाडु बीजेपी से पूर्व अध्यक्ष के, अन्नामलालई कोट्यारोचर जन्ता पार्टी से दूरी बना ली है. अभिजित दीपक और सीजेपी द्वारा मूरा मुनिवर्न अयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चलाया जा रहे अभियान के बीच अन्नामलालई ने स्पष्ट किया, 'हमने कभी भी कोट्यारोचर जन्ता पार्टी का समर्थन नहीं किया है. उनका प्रजेड अलग है, हमारा प्रजेड अलग है.' 'इससे पहले अन्नामलालई ने कहा था कि हालांकि वे सीजेपी के तरीकों से असहमत हो सकते हैं, लेकिन उनके द्वारा उठाया जा रहे सवालों का वे समर्थन करते हैं.

## हस्तियों के ट्वीट



आध्यात्मिक गुरु परम पावन दलाई लामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया है। उन्होंने कहा है कि दयालु हृदय से देखने पर जीवन की हर स्थिति सकारात्मक प्रतीत होती है, जबकि स्वार्थी मन में केवल नकारात्मकता और भय ही नजर आता है। दलाई लामा ने जोर देकर कहा कि हमारी बुद्धि को आवश्यक्ता है, क्योंकि कर्मण के बिना तौष बुद्धि के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

अन्तर्नीति अलबानीज नुन सोशल  
 णा करते हुए कहा है कि वह  
 बलागुल जागरुकता बढ़ाने  
 गया चैनलों से एक दिन दूर  
 मैक होल्ड्सवर्थ और उन  
 नाम पर उठाया है, जिन्हें  
 बदनामी या उत्पीड़न का  
 नमन्त्री नुन उन माता-पिता के प्रति भी समर्थन जाताया  
 ता के लिए इस लड़ाई में संघर्ष कर रहे हैं।



**राहत की तैयारी** ▶ कैश कांड के आरोपी जज यशवंत वर्मा के खिलाफ नहीं आएगा महाभियोग

## अब पेंशन-रिटायरमेंट बेनिफिट्स मिलेंगे



लिए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता में गठित समिति ने रिपोर्ट तैयार की थी। लेकिन अब वर्मा के इस्तीफे के बाद महाभियोग की प्रक्रिया आगे बढ़ने की विराम लगेगी, जहाँ तक कि वर्मा को निलंबित करवाया जा सकता है। महाभियोग लाने के लिए कवायद के बीच यशवंत लाल अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।



था। हालांकि इसके बावजूद उनके खिलाफ संसद में महाभियोग लाने की थी। महाभियोग के तहत अगर वर्मा नहीं हटाए जाते हैं तो उन्हें रिटायर जजों की तरह पेंशन और अन्य रिटायरमेंट सुविधाएं मिलती रहेगी। उन्हें सरकारी आवास भी मिलेगा।

समिति की रिपोर्ट अगस्त में सार्वजनिक हुई थी। इसमें दमा की नकदी मामले की जानकारी होने की बात कही गई थी। वहीं उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया था। सितंबर 2026 में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। 14-15 मार्च 2025 की रात को यशवंत दमा के सरकारी आवास के स्टोररूम में आग लगने की खबर दमकल कमियों को मिली।

## चीन के एआई मॉडल को

**वैश्विक स्तर पर मजूरी**  
नई दिल्ली. चीन की प्रमुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनियों डीपसीक और अल्ट्रामहिण्ट को अपने एआई मॉडल के वैश्विक इस्तेमाल के लिए सरकारी मजूरी मिल गई है. चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी से जुड़े एक शोशल मीडिया आकांटे पर गुरुवार को यह जानकारी दी गई. शुक्रवार को एक अन्य पोस्ट में इसी आकांटे ने कहा कि विदेशों में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने चीन के अन्य ओपन-सोर्स बड़े भाषा मॉडल विकसित करने वालों से भी इसी दिशा में कदम उठाने की अपील की है. डीपसीक और अल्ट्रामहिण्ट ने इस मामले पर टिप्पणी के अनुरोधों का तत्काल जवाब नहीं दिया. यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब चीन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी अहम तकनीकों के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रहा है.

## 326 करोड़ के घोटाले में इंडी ने दी दबिश

## 07 ठिकानों पर तेलंगाना में जांच एजेंसी की रेड

► अन्य संस्थाओं के जरिए रकम को डायवर्ट किया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर.  
केन्द्रीय जांच एजेंसी इंडी यानी  
प्रवर्तन निदेशालय के हैदराबाद  
जोनल ऑफिस की टीम  
तेलंगाना में 7 ठिकानों पर सच  
ऑपरेशन शुरू की. यह  
कार्रवाई हैदराबाद,  
सिकंदराबाद और मेडक-  
मलकाजगिरी में मेसर्स  
कनकधारा वेंचर्स प्रा. लिमिटेड  
और कंपनी के निदेशकों से  
जुड़े परिसरों पर की गई है.

**326.49 कराड़ की बक क्रेडिट के दुरुपयोग का हो रहा जांच**

इंडी की कारवाई का केन्द्र 326.49 करोड़ रुपये की बैंक क्रेडिट सुविधाओं के दुरुपयोग और फंड डायवर्जन की जांच है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि बैंक गारंटी और लेंटर ऑफ फंड के जरिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का इस्तेमाल किस तरह किया गया और संबंधित कंपनियों के मॉड्यूस से रकम कहाँ दुरूपयोग की गई। फिलहाल, इंडी की ओर से की जा रही सर्व कारवाई और जांच के आगे बढ़ने के साथ मामलों में और जानकारियाँ सामने आ सकती हैं।

दरअसल ये मामला पंजाब नेशनल बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के कंसोर्टियम की ओर से कंपनी को दी गई 326.49 करोड़ रुपए क्रेडिट सुविधाओं के डायवर्जन से जुड़ा है। ईडी की जांच में सामने आया है कि कंपनी को मंजूर बैंक गारंटी और लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधाओं के दुरुपयोग किया गया। जांच एजेंसी के मुताबिक, संबंधित कंपनियों और फंड ट्रांसफर के

लिए इस्तेमाल की गई अन्य संस्थाओं के जरिए एकम को डायवर्ट किया गया।

जांच में स्टील को खरीद से जुड़े फर्जी इनवॉइस और ट्रांसपोर्ट दस्तावेजों के इस्तेमाल का भारी सामना आई है। इंडी के अनुसार, केपीवीएल ने कर्ज देने वाले बैंकों के कंसोर्टियम की व्यवस्था से बाहर भी बैंक खाते संचालित किए, जिसकी जानकारी संबंधित बैंकों को नहीं थी।